Library

School of Planning and Architecture, Bhopal

S.No.04 November,2021

पीपुल्स समाचार 21/09/2022 पेज क्र 11

मानव संग्रहालय में व्याख्यान

# बदलते समय में टेक्नोलॉजी को अपनाएं संग्रहालय: डॉ. विशाखा

रिपोर्टर • IamBhopal

Mobile no. 9827080406

संग्रहालय मानव जाति की गाथा को देश के काल, एवं स्थान, के परिपेक्ष्य में देश के समृद्ध खजाने को प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को शिक्षित कर रहे हैं। यह कहना था, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के संरक्षण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. विशाखा कवठेकर। वे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा आयोजित लोकरुचि व्याख्यान माला के अंतर्गत म्यूजियम्स प्लेस ट्रांसफॉर्मिंग टाइम टू नेरेटिव्स ऑफ पास्ट, विषय पर बोल रही थीं। वर्तमान में कोविड से उपजी समस्याओं से प्राप्त अनुभव को ध्यान में रखते हुए संग्रहालयों को अपनी पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़कर कई परिवर्तन किए। अब एलईडी वॉल जैसे बड़े तकनीकी उपकरणों का उपयोग कर संग्रहालयों को आधुनिक बनाने की जरूरत आन पड़ी। इन सब के लिए ऊर्जा, वित्त, और रखरखाव की मांगों के कारण भारत में यह काम थोड़ा मुश्किल लगता है।

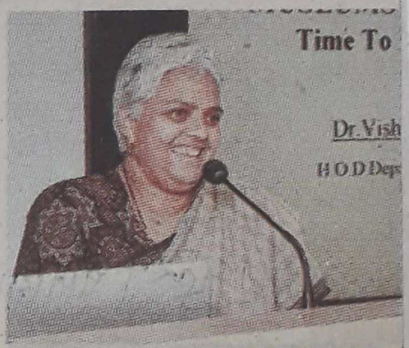


## कलाकृतियों की करें कई तरह से व्याख्या

हमें संग्रहालयों में प्रदर्शित कलाकृतियों की कई तरह से व्याख्या करना चाहिए साथ ही, संग्रहालयों को बहुविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए। यह बात कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संग्रहालय के निदेशक डॉ. पीके मिश्र ने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सोशल मीडिया ने हम सब की क्रिएटिविटी को खत्म कर दी है, पर इसका सार्थक उपयोग करके मानव संग्रहालय ने कोविड में दर्शकों को अपने साथ जोड़े रखा।